बजकर बीस मिनट हुए हैं।

श्री भूपेन्द्र सिंह मान: तो इसका मतलब छः मिनट हो गए।

उपसभाध्यक्ष (कुमारी सरोज खापर्डे): आप अन्दाजा लगाएं कि मैंने आपको समय दिया या नहीं दिया।

श्री भूपेन्द्र सिंह मान: मैडम्, मैं चाहता तो यह था कि मैं एक मिनट में अपनी बात खत्म करके इस पर दो मिनट का मौन रखूं। हमें इस बात को देखना चाहिए कि इतनी सनसनीखेज जो घटनाएं घटती हैं उनके ऊपर शोक कर सकें। लेकिन फिर भी मैं आधे मिनट के लिए तो इस बात के लिए शोक व्यक्त करना चाहूंगा, क्योंकि समय की कमी की वजह से अपने ही समय में से आधे मिनट के लिए मुझे इजाजत दे दीजिए कि मैं अपने ही देश में घटी हुई इतनी सनसनीखेज घटनाओं के ऊपर आधे मिनट के लिए शोक कर सकूं।

उपसभाध्यक्ष (कुमारी सरोज खापर्डे): पर ऐसे आप शोक तो नहीं कर सकेंगे, क्योंकि ऐसी तो परम्परा नहीं है अपने सदन में।

श्री भूपेन्द्र सिंह मान: मैडम् ...(व्यवधान)...

उपसभाध्यक्ष (कुमारी सरोज खापर्डे): मान साहब, देश में तो ऐसी कितनी घटनाएं होती हैं। हर घटना के लिए हर सभासद यहां पर शोक व्यक्त करना चाहेगा तो मुश्किल हो जाएगा।

श्री भूपेन्द्र सिंह मान: यह हजारों लोगों में घटना घटी है और ऐसा हुआ है। ...(व्यवधान)...

उपसभाध्यक्ष (कुमारी सरोज खापर्डे): मान साहब, आपने जो बोला है उनके प्रति यही तो बहुत बड़ा आदर उनके प्रति व्यक्त किया है, यही श्रद्धांजलि उनके लिए दी है।

श्री भूपेन्द्र सिंह मान: मैंने शोक व्यक्त कर दिया, आपने इनके लिए समय दिया। धन्यवाद।

SHRI RAM JETHMALANI (Maharashtra): May I have your permission to share my friend's anguish publicly and associate myself and express my agreement with every word he has said. It is a blot on the reputation of this country that a thing like this should happen and I hope some responsible statement from some member of the Cabinet, who will get up and say that it will atone for this mighty sin, will come.

SHRI TARA CHARAN MAJUMDAR (Assam): Madam, May I have your permission to associate myself with my friends Mr. Mann and submit that this is a violation of human rights of an extensive scale. It is not only happening in Punjab. It is happening in my State, Assam, also. Boys are missing after they are taken into custody.

THE VICE-CHAIRMAN (MISS SAROJ KHAPARDE): You told me that you would like to associate yourself with Mr. Mann. Now we are in Punjab. Why are you bringing in your State of Assam here?

SHRI TARA CHARAN MAJUMDAR (Assam): This is a violation of human right.

THE VICE-CHAIRMAN (MISS SAROJ KHAPARDE): I won't allow this kind of a statement because I need a separate notice for this.

Shri Maheshwar Singh.

Need to provide funds to Himachal Pradesh Government for Repairing Highways

श्री महेश्वर सिंह (हिमाचल प्रदेश): उपसभाध्यक्ष महोदया, मैं अपने आपको सौभाग्यशाली मानकर चल रहा हूं कि जब मैं भूतल परिवहन संबंधी एक मामला उठा रहा हूं तो माननीय मंत्री महोदय यहां विराजमान हैं। मुझे विश्वास है कि मंत्री महोदय ध्यानपूर्वक मेरी बात सुनें। महोदया, जैसा कि आपको विदित ही है कि कुल्लू मनाली उत्तर भारत का एक बहुत ही रमणीय स्थल है जो कि देव भूमि के नाम से सर्वविदित है और जाना जाता है और वहां विदेशी ही नहीं बल्कि स्वदेशी पर्यटक भी लाखों की संख्या में हर साल आते हैं। महोदया, गत वर्ष...(व्यवधान)

THE VICE-CHAIRMAN (MISS SAROJ KHAPARDE): Mr. Minister, the hon. Member is saying something about your own Ministry. Please carefully listen him.

श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी (उत्तर प्रदेश): मंत्री जी, आपको धन्यवाद दिया है कि आप यहां पर उपस्थित हैं।

श्री महेश्वर सिंह: महोदया, गत वर्ष भारी वर्षा के फलस्वरूप और व्यास में बाढ़ आने के फलस्वरूप मनाली का क्षेत्र जो कि केवल 21 नं. नेशनल हाईवे से देश के बाकी भागों से जुड़ा है, वह कट गया था। लगभग दस किलो मीटर सड़क बह गई थी और आज एक साल बीत जाने पर भी न तो हिमाचल सरकार और न ही भारत सरकार सड़क को ठीक कराने में आज तक सफल हो पाई

है। मैंने यह मामला तब भी उठाया था जब कुछ समय के लिए हमारी सरकार बनी थी। उस समय के प्रधान मंत्री महोदय को मैंने इस विषय के बारे में अवगत कराया था।

मैं आभारी हूं कि अटल बिहारी वाजपेयी जी ने व्यक्तिगत रुचि लेकर सारे मामले की रिपोर्ट मंगवाई थी और मैं क्वोट करना चाहूंगा। उसमें लिखा था–

> "For the complete restoration of National Highway No. 21, the preliminary estimate of funds made by the Government of Himachal Pradesh was Rs. 30 crores".

बड़े दुख के साथ कहना पड़ता है कि इस प्राकलन के आने के बावजूद भारत सरकार केवल 5 करोड़ रुपया इस सड़क के निर्माण के लिए दे पाई है। फलस्वरूप आज भी यह सड़क थोड़ी भी वर्षा हो तो बंद हो रही है। यह ऑल वेदर रोड नहीं है। मैं यह भी आपके माध्यम से मंत्री महोदय के ध्यान में लाना चाहूंगा कि तत्कालीन प्रधान मंत्री ने बड़े स्पष्ट निर्देश दिए थे और यह फाइल पर लिखा गया था–

> "The P.M. has seen. He desires its expeditious execution so that the Kullu-Manali road is opened as soon as possible".

मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदय से यह निवेदन करना चाहूंगा कि शेष जो 25 करोड़ रुपया है, वह जल्दी से जल्दी हिमाचल प्रदेश सरकार को दिया जाए और हिमाचल प्रदेश सरकार को इस बात के लिए बाध्य किया जाए कि जल्दी से जल्दी इस सड़क की मरम्मत कराएं क्योंकि एक तरफ तो टूरिस्ट सीजन है और दूसरी तरफ जैसा कि आपको विदित ही है महोदया कि इस समय फ्रूट सीजन भी ज़ोरों पर है और अगर बार–बार यह सड़क अवरुद्ध होती रही तो फल–उत्पाद को भी भारी क्षति का सामना करना पड़ेगा। मुझे आशा ही नहीं बल्कि पूरा विश्वास है कि मंत्री महोदय इस ओर ध्यान देंगे।

श्री मोहम्मद सलीम (पश्चिमी बंगाल): मैडम, एक प्वाइंट है मेरा। जहां तक इस रास्ते के पुनर्निर्माण की बात है, मैं इससे पूरी सहमति व्यक्त करता हूं और ऐसोसिएट करता हूं लेकिन जो इन्होंने फाइल नोटिंग्ज में से क्वोट किया, तत्कालीन प्रधान मंत्री के कमेंट को फाइल से क्वोट किया, या तो उनको सोर्स बताना चाहिए था या फिर उसे टेबल पर रखना चाहिए था। ऑफिशियल सीक्रेसी ऐक्ट के मुताबिक वे ऐसा नहीं कर सकते हैं। फाइल की नोटिंग्ज वे कैसे सदन में क्वोट कर रहे हैं? हमें ज़रा इसके बारे में बताइए। इन्हें सोर्स बताना चाहिए था कि कहां से इनको यह जानकारी मिली?

†[شری محمد سلیم: میڈم - ایک پوائنٹ ہے میرا - جہاں تک اس راستے کے دوبارہ بننے کی بات ہے اس سے پوری طرح سے آمادگی کا اظہار کرتا ہوں اور ایسوسی ایٹ کرتا ہوں لیکن جو انہوں نے "فائل نوٹنگس میں سے کوٹ کیا ہے" موجودہ پردھان منتری کے کمینٹ کو فائل سے کوٹ کیا - یا تو انکو سورس بتانا چاہیئے تھا یا پھر اسے ٹیبل پر رکھنا چاہیئے تھا - "آفیشیل سیکریسی ایکٹ" کے مطابق وہ ایسا نہیں کر سکتے ہیں - فائل کی نوٹنگز" وہ کیسے سدن میں کوٹ کر رہے ہیں - ہمیں ذرا اسکے بارے میں بتایئے - انھیں سورس بتانا چاہیئے تھا کہ کہاں سے انکو یہ جانکاری ملی]

श्री सतीश अग्रवाल (राजस्थान): सोर्स बताना ज़रुरी नहीं है। मिनिस्टर्स की नोटिंग्ज वगैरह पर पूरा प्रिविलेज है मैम्बर्स को...(व्यवधान)...

SHRI MD. SALIM: He read out. He read out the comment. (*Interruptions*)

श्री सतीश अग्रवाल: यह परम्परा देवेगौड़ा जी ने खुद डाली है कि नोटिंग्ज पढ़े हैं उन्होंने हाउस में जो नहीं पढ़ने चाहिए थे, पेट्रोल की हाईक के संबंध में।...(व्यवधान)...

श्री मोहम्मद सलीम: वे इस सदन में प्राइम मिनिस्टर की नोटिंग्ज क्वोट कर रहे हैं, उन्होंने पढ़ा है, मैं उसका विरोध कर रहा हूं।...(व्यवधान)...

†[شری محمد سلیم: وہ اس سدن میں پرائم منسٹر کی نوٹنگ کوٹ کر رہے ہیں - انھوں نے پڑھا ہے میں اسکا ورودھ کر رہا ہوں -]

†[ ] Transliteration in Arabic Script

SHRIMATI MARGARET ALVA (Karnataka): Madam, Vice-Chairman, I wish to state here that what the Prime Minister said was not out of context because he referred to the source from where he was quoting. There was nothing wrong in it. What we are asking the hon. Member is that he should give us the source from which he is quoting. You tell us the source, or, you should place it on the Table of the House, Madam, this kind of quoting from the Government files without, at least, having it authenticated, or, making a statement that this is from such and such source, is against the rules. The Prime Minister gave the source. There was nothing wrong in it.

उपसभाध्यक्ष (कुमारी सरोज खापर्डे): देखिए, माननीय सदस्य ने जो मुद्दा यहां पर उठाया है, वह बिलकुल उचित मुद्दा है। हम लोग सीक्रेसी की जो ओथ लेते हैं, इसके मायने ये हैं कि फाइलों में जो लिखते हैं मंत्री जी या प्राइम मिनिस्टर, उसको कभी भी क्वोट इस ढंग से नहीं किया जाता है। आपको यह कहना चाहिए था कि मेरी जानकारी है, मैं अपनी जानकारी के मुताबिक यह कह रहा हूं। Otherwise, you have to place the document before the House. वे पूछ भी सकते हैं कि कहां से मिला है यह आपको? एक तो आप उसको करेक्ट करिए या जो आपके पास डॉक्यूमेंट है, उसको आप रखिए।

श्री महेश्वर सिंह: यह मेरी जानकारी है मैडम।

उपसभाध्यक्ष (कुमारी सरोज खापर्डे): फिर ठीक है, अगर आपकी जानकारी है तो ठीक है।

श्री मोहम्मद सलीम: 14 दिन में सब फाइलें ज़ेरॉक्स कर लीं?

†[شری محمد سلیم: ۱۴ دن میں سب فائلیں زیروکس کر لیں؟]

उपसभाध्यक्ष (कुमारी सरोज खापर्डे): 14 दिन की बात नहीं है। 13 दिन में क्या सारी बातें आप लोगों को पता लग गई कि यह लिखा हुआ था और आप यहां क्वोट भी कर सकते हैं सदन में ? यह तो बड़ी अजीब बात कर रहे हैं आप यहां पर?

†[ ] Transliteration in Arabic Script

डॉ. महेश चन्द्र शर्मा (राजस्थान): उपसभाध्यक्ष महोदया, एक ही प्रकार की घटना पर आपके स्टैंड दो तरह के कैसे हैं? आज से सात दिन पहले श्री सोमपाल ने प्राइम मिनिस्टर की हर कोटिंग को यहां क्वोट किया था तब मैंने आपसे कहा था कि यदि वह गुप्त तथ्य है तो यहां रखा जाना चाहिए या उन्हें वापस लेना चाहिए, तब आपने ऐसी कोई रूलिंग नहीं दी जैसी आज आप दे रही हैं?

उपसभाध्यक्ष (कुमारी सरोज खापर्डे): देखिए, मैं न तो सोमपाल जी के दल की हूं न तो मैं आपके दल की हूं। जब मैं ...(व्यवधान)... सुनिए ... सुनिए ... आप ज़रा बात सुनिएगा। ...(व्यवधान)... मैंने अपनी बात खत्म नहीं करी है। ...(व्यवधान) ... जब मैं यहां पर बैठी हूं तो मुझे हमेशा अपने दल से ऊपर उठकर ...(व्यवधान)...

डा. महेश चन्द्र शर्मा: मैडम,... (व्यवधान)...

उपसभाध्यक्ष (कुमारी सरोज खापर्डे): आप मेरी बात सुनेंगे या नहीं। मैंने कभी भी यह बात ध्यान में नहीं रखी कि सोमपाल जी ने क्या कोट किया है या आपने क्या कोट किया है? नियम के मुताबिक मुझे सदन की कार्यवाही चलानी होगी। जो आज मैंने महसूस किया है उस पर मैंने अपना अभिप्राय: आपको दिया और अगर आप आठ दिन पहले की बात पूछेंगे तो मुझे याद नहीं कि आपने क्या कहा था और उन्होंने क्या कहा था? प्लीज नारायणसामी .... दो नारायणसामी हैं एक कांग्रेस के और दूसरे तेलगुदेशम के।

श्री सतीश अग्रवाल: आपका निर्णय शिरोधार्य है।

Need for completion of the bridge connecting West Godavari and East Godavari on river Vasista

SHRI YERRA NARAYANASWAMY (Andhra Pradesh): Madam Vice- Chairman, I am raising the issue of an incomplete major bridge connecting two districts of coastal Andhra Pradesh—the road bridge on Vasishta Godavari at Chinchinada near Narsapur in West Godavari district—a joint venture between the Government of Andhra Pradesh and the ONGC on a fifty-fifty cost sharing basis.

Madam, the construction of the bridge was started five years ago and, so far, an amount of Rs. 14 crores has been spent on this work. The contractors of the bridge are the famous L & T company. Now the work has been stopped due to non-payment of its share by the ONGC.